राज्यपाल सचिवालय
राजभवन, जयपुर

राज्यपाल ग्रामीणों से मिले, ग्रामीणों के साथ बैठकर पूडी–सब्जी खायी

राजस्व गांव बनेगा आईदान का बास, गांव की समस्यायें मौके पर ही निपटायी राज्यपाल ने

गांव में तालाब होना आवश्यक है

ग्रामीणों में उत्साह–जोबनेर में पहली बार रुके हैं राज्यपाल

जयपुर, 9 जुलाई । राज्यपाल श्री कल्याण सिंह मंगलवार को जोबनेर स्थित श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय में गोद लिए गांव आईदान का बास के लोगों से मुलाकात की। राज्यपाल ने ग्रामीणों की समस्यायें सुनी और उन्हें मौके पर ही निस्तारण के निर्देश दिये।

राजस्व गांव बनेगा आईदान का बास– राज्यपाल श्री कल्याण सिंह ने ग्रामीणों की मांग के अनुरुप गांव को राजस्व ग्राम बनाये जाने के निर्देश दिये। इससे लोगों को केन्द्र और राज्य सरकार की सुविधाओं का लाभ मिल सकेगा। राज्यपाल ने गांव के स्कूल में कृषि संकाय खोले जाने के भी निर्देश दिये। गांव की सरपंच श्रीमती सुमित्रा ने राज्यपाल से गांव की चारागाह भूमि को आबादी में परिवर्तित कराने का आग्रह किया। राज्यपाल ने ग्रमिणों की इस मांग को पूरा करने के लिए प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देश दिये।

राज्यपाल ने गांव के पांच युवाओं का एक दल गठित किया। युवाओं को संकल्प दिलाया कि गांव को गंदगी मुक्त, नशामुक्त और निरक्षरतामुक्त बनायेगें। राज्यपाल ने युवाओं से कहा कि वे ग्राम सुधार के लिए एकजुट होकर कार्य करें। गांव में तालाब बनाये। यह गांव आपका अपना है। इसे सुधारनें के लिए बाहर से कोई नही आयेगा।आप सभी लोगों को मिलकर ही ग्राम सुधार की जिम्मेदारी उठानी होगी।

राज्यपाल श्री कल्याण सिंह ने कहा कि ''मैं गाव का रहने वाला हूँ। आप लोगों से मिलकर मुझे बहुत खुशी हुयी है। मैंने आप लोगों के लिए आटे में नमक, अजवाइन और हींग डालकर पूडियॉ बनवायी हैं और आलू की सूखी सब्जी तैयार करवायी है''। राज्यपाल ने गांव से आये हुये सभी ग्रामीणों को भोजन के पैकिट भेंट किये। राज्यपाल श्री कल्याण सिंह ने कहा कि यह मेरी पसंद का भोजन है। राज्यपाल ने ग्रामीणों के साथ बैठकर पूडी और आलू की सब्जी का भोजन किया। राज्यपाल से मिलकर ग्रामीण उत्साहित थे। ग्रामीणों ने कहा कि आप पहले ऐसे राज्यपाल है, जो जोबनेर की धरती पर रात्रि विश्राम कर रहे है। हम आपके आने से धन्य हो गये है।

कृषि मंत्री मिले– राज्यपाल श्री कल्याण सिंह से मंगलवार को यहां जोबनेर में कृषि मंत्री श्री लालचन्द कटारिया ने मुलाकात की। इस मौके पर विधायक श्री आलोक बेनीबाल और श्री निर्मल कुमावत भी मौजूद थे। राज्यपाल से श्री कटारिया ने कहा कि ''हमारे लिये यह सुखद आश्चर्य है कि आप जोबनेर में आकर रात्री विश्राम कर रहे है''।

———

डॉ लोकेश चन्द्र शर्मा
सहायक निदेशक,(जनसम्पर्क)राज्यपाल